



अभ्यास पत्रक

पाठ – तोप

नाम :- कक्षा :- अवधि :- अनुक्रमांक :- प्राप्तांक :-

1. काव्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

“अतीत की ध्वस्त विजय-गाथाओं की अनगढ़ विरासत

ताक रही है अब भी चुपचाप

समय की आँखों में आँखें डालो।”

1. इस काव्यांश में ‘अतीत की ध्वस्त विजय-गाथाएँ’ किस ओर संकेत करती हैं?

उत्तर -
.....

2. ‘चुपचाप ताकना’ किस भाव की ओर संकेत करता है?

उत्तर -
.....

3. ‘समय की आँखों में आँखें डालना’ इस पंक्ति का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है?

उत्तर -
.....

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. कथन: कवि ने तोप को मानव इतिहास की अस्थायी सत्ता का प्रतीक माना है।

कारण: समय हर प्रकार की शक्ति को समाप्त कर देता है।

(क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।

(ग) A: सही, R: गलत

(ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।

(घ) A: गलत, R: सही

5. कथन: कवि तोप को गौरव और प्रेरणा का प्रतीक मानता है।

कारण: तोप आज भी वीरों की स्मृति में प्रयोग होती है।

(क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।

(ग) A: सही, R: गलत

(ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।

(घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. कवि के अनुसार तोप अब किसका प्रतीक बन चुकी है?

(क) क्रांति

(ख) निष्क्रियता

(ग) शक्ति

(घ) भय

7. ‘तोप’ कविता किस काव्य संग्रह से ली गई है?

(क) उस जनपद का कवि

(ख) भूख के रंग

(ग) घर है जहाँ नहीं

(घ) कोई और नहीं

8. कविता में किस पक्षी का उल्लेख हुआ है?

(क) कबूतर

(ख) मैना

(ग) गौरैया

(घ) बुलबुल

9. ‘तोप’ को साल में कितनी बार चमकाया जाता है?

(क) एक बार

(ख) दो बार

(ग) कभी नहीं

(घ) हर महीने

10. कविता में किस ऐतिहासिक स्थान का उल्लेख है?

(क) कुतुबमीनार

(ख) संसद भवन

(ग) कंपनी बाग़

(घ) चार मीनार

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)



उत्तर कुंजी

1. यह उस समय की ओर संकेत करता है जब तोपों के द्वारा सत्ता और विजय का दावा किया जाता था।
2. यह उस निष्क्रियता, लाचार स्थिति और समय के दबाव को दर्शाता है जिसमें अब तोप आ चुकी है।
3. यह दर्शाता है कि अब शक्ति समय के आगे नतमस्तक है – समय ही सबसे बड़ा निर्णायक है।
4. (क)
5. (घ)
6. (ख)
7. (क)
8. (ग)
9. (ख)
10. (ग)
11. क्योंकि उसका वास्तविक प्रयोग अब नहीं होता; वह अब केवल एक ऐतिहासिक वस्तु बन गई है, जो समय की मार खाकर शेष रह गई है।
12. क्योंकि यह शक्ति का प्रतीक होते हुए भी अब कोई प्रयोजन नहीं निभा रही है, और इसके गौरवमय अतीत का कोई ठोस आधार शेष नहीं रहा है।
13. कवि ने सत्ता, युद्ध और हिंसा के घमंड पर व्यंग्य किया है – एक समय जो तोप से डराया जाता था, वह अब बच्चों का झूला बन गई है।
14. कविता में कवि ने यह दिखाया है कि समय किसी को भी नहीं छोड़ता – न सत्ता को, न हिंसा को। जो तोप एक समय अत्याचारी सत्ता की ताकत थी, आज वह निष्क्रिय, विरासत बन गई है। उस पर बच्चे खेलते हैं, पक्षी बैठते हैं और लोग तस्वीरें खिंचवाते हैं। यह इस बात का संकेत है कि शक्ति चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, समय उसे भी परास्त कर देता है। यही कविता का मूल संदेश है – समय ही सबसे बड़ी शक्ति है।
15. 'तोप' कविता इस तथ्य को स्थापित करती है कि जो वस्तुएँ कभी शक्ति, विजय और भय का प्रतीक होती हैं, वे समय के साथ मूल्यहीन हो जाती हैं। 1857 की यह तोप पहले वीरों को मारने के लिए उपयोग की जाती थी। लेकिन आज वही तोप कंपनी बाग़ में पड़ी है, जिस पर बच्चे झूलते हैं, चिड़ियाँ बैठती हैं, और वह साल में दो बार साफ की जाती है। इससे यह स्पष्ट होता है कि शक्ति का प्रदर्शन केवल क्षणिक होता है। समय के आगे हर बल निष्प्रभावी हो जाता है। कविता में कवि ने व्यंग्यात्मक और प्रतीकात्मक शैली में यह संदेश दिया है कि सच्ची शक्ति स्थायित्व और विवेक में होती है, न कि हिंसा में।